

चक्कर पुं. (तद्.) पहिए के आकार की घूम सकने वाली गोल वस्तु, चाक, मंडलाकार पटल चाक 2. गोल या मंडलाकार घेरा 3. मंडलाकार मार्ग 4. धुरी पर भ्रमण 5. चक्रगति 6. घुमाव, सिर घूमना, बेहोशी, मूर्च्छा मुहा. किसी के चक्कर में आना- धोखे में आना या धोखा खा जाना; चक्कर पड़ना- जटिल बाधा या परिस्थिति पैदा होना।

चक्करदार वि. (तद्.+फा.) घुमाव वाला, मोड़ों वाला, घुमावदार।

चक्कल वि. (तत्.) गोल, वर्तुल।

चक्कवा पुं. (तद्.) चक्रवाक, चकवा।

चक्कस पुं. (फा.) बुलबुल, बान आदि पक्षियों के बैठने का स्थान/ठिकाना/ठीहा/अड़्डा।

चक्का पुं. (तद्.) 1. पहिया 2. पहिए के आकार की गोल वस्तु 3. ढेला 4. थक्का 5. गिनने के लिए क्रम से लगाई गई वस्तु का ढेर।

चक्की स्त्री. (तद्.) 1. आटा आदि पीसने या दाल दलने का पत्थर का यंत्र, जोता 2. पैर के घुटने की गोल हड्डी 3. ऊँट के शरीर पर प्राकृतिक गोल कूबड़ 4. बिजली, वज्र।

चक्खी स्त्री. (देश.) 1. चखी जाने या खाने की चरपरी वस्तु, चाट 2. बुलबुलों या बटेरों की चुगाई 3. स्वाद चखने की क्रिया या भाव।

चक्कस पुं. (देश.) 1. बेईमान 2. छल-कपट 3. धूर्तता।

चक्र पुं. (तत्.) 1. पहिया 2. चक्की 3. कुम्हार का चाक 4. पानी का भँवर 5. दल, झुंड, समूह 6. मंडल, एक समुद्र से दूसरे समुद्र तक फैला प्रदेश मुहा. चक्र चलाना- षड्यंत्र करना 7. भ्रमण, घेरा 8. दिशा 9. हाथ की रेखाएँ ज्यो. सामुद्रिक शास्त्र में इनके अनेक प्रकार के शुभाशुभ फल देखते हैं 10. वर्षों का समूह (चक्र.)।

चक्रक पुं. (तत्.) 1. नव्य न्याय में एक तर्क 2. युद्ध की एक शैली वि. 1. गोल 2. चक्रवत् (पहिए जैसा)।

चक्रगति स्त्री. (तत्.) गोलाई या परिधि में चलना या गमन करना।

चक्रचर पुं. (तत्.) 1. तेली 2. कुम्हार 3. बाजीगर 4. गाड़ीवान।

चक्रताल पुं. (तत्.) ताल वाद्य में चौताला ताल जिसमें सोलह मात्राएँ होती हैं।

चक्रतीर्थ पुं. (तत्.) 1. कर्नाटक प्रदेश में वह स्थान जहाँ ऋष्यमूक पर्वत शृंखला के बीच में तुंगभद्रा नदी घूमकर बहती है 2. गुजरात के समुद्र तटवर्ती प्रभास क्षेत्र का एक जलाशय।

चक्रदंती स्त्री. (तत्.) 1. दंती वृक्ष 2. जमालगोटा नामक एक रेचक औषधि।

चक्रधर पुं. (तत्.) 1. चक्र धारण करने वाले 2. विष्णु 3. श्री कृष्ण 4. बाजीगर 5. सर्प 6. कई ग्रामों का अधिपति 7. गाँव का पुरोहित।

चक्रधारी पुं. (तत्.) चक्रधर।

चक्रनाभि स्त्री. (तत्.) पहिए का वह स्थान जिसमें धुरा घूमता है, पहिए का केंद्र-स्थान।

चक्रपाणि पुं. (तत्.) हाथ में चक्र धारण करने वाले विष्णु।

चक्रपाल पुं. (तत्.) 1. प्रदेश का शासक, सूबेदार 2. चक्रधारी 3. वृत्त, गोलाई 4. एक शुद्ध धराग 5. क्षितिज 6. व्यूह-रक्षक 7. सेनापति।

चक्रभ्रमर पुं. (तत्.) एक क्षेत्रीय लोकनृत्य।

चक्रमंडल पुं. (तत्.) एक प्रकार का लोकनृत्य जिसमें नृत्य करने वाला मंच पर चकरी की तरह घूमता है।

चक्रमीमांसा स्त्री. (तत्.) शंख, चक्र आदि पर गंभीर विवेचन या विमर्श 2. विजयेंद्र स्वामी द्वारा प्रणीत एक ग्रंथ जिसमें चक्र-मुद्रा धारण की विधि वर्णित है।

चक्रमुद्रा स्त्री. (तत्.) विष्णु के चक्र तथा गदा आदि आयुधों के चिह्न जो वैष्णव अपनी बाहु या अन्य अंगों पर छापते और लगाए रहते हैं।

चक्रयंत्र पुं. (तत्.) ज्योतिष का एक यंत्र।